भारत सरकार

अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 216

बुधवार, 02 फरवरी, 2022 को उत्तर देने के लिए

अंतरिक्ष मलबा

216. श्री पिनाकी मिश्रा:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इसरो ने 15 नवंबर, 2021 को रूस द्वारा किए गए एंटी-सैटेलाइट वेपन परीक्षण से पैदा हुए अंतरिक्ष मलबे की संख्या और विवरण की पहचान की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या रूस द्वारा किए गए परीक्षणों ने भारत के उपग्रहों के लिए नागरिक अंतरिक्ष कार्यक्रमों या स्पेस सिचूएशनल अवेयरनेस के लिए जोखिम पैदा किया है और उनके समय या मार्ग में परिवर्तन किया है; और

(घ) यदि हां, तो उन जोखिमों का ब्यौरा क्या है और पहले से ही निर्धारित योजना/मार्ग मे क्या परिवर्तन किए गए हैं और समय-सीमा क्या है?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) जी, हां। वर्तमान में, इसरो रूस द्वारा किए गए एंटी-सैटेलाइट वेपन परीक्षण से पैदा हुए अंतरिक्ष मलबे की संख्या और विवरण की पहचान करने हेतु आंकड़ों के लिए पब्लिक डोमेन, विशेषत: यू एस स्पेसकॉम के स्पेस ट्रैक वेबसाइट से प्राप्त सूचना का उपयोग करता है।

(ख) स्पेस ट्रैक द्वारा दी गई सूचना के अनुसार 450-500 कि.मी. की ऊंचाई पर रूस द्वारा किए गए एंटी-सैटेलाइट वेपन परीक्षण से ट्रैक करने योग्य 1251 टुकड़े उत्पन्न हुए। आज की स्थिति में कक्षा में सूचीबद्ध 1142 पिंड हैं जबकि शेष 109 का क्षय हो गया है।

(ग) एवं (घ)

अंतरिक्ष में एंटी-सैटेलाइट वेपन परीक्षण और अपखंडन की घटनाएं उपग्रहों के लिए जोखिम पैदा करती हैं। वर्तमान में, रूसी टुकड़ों से भारतीय अंतरिक्ष संपदा को किसी खतरे की पहचान नहीं हुई है और इन टुकड़ों से होने वाले टक्कर से बचने के लिए टक्कर बचाव सुनियोजित परिचालनों की कोई योजना नहीं बनाई गई।

***